कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS.IPS.MPPSC.CJ-II

/kautilyaacademy

डेली करंट अफेयर्स

03 May 2024

FREE DEMO SESSIONS AVAILABLE ON THE APPLICATION

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APPLICATION FROM PLAYSTORE GET IT ON Google Play

CONTACT US FOR MORE INFORMATION ON GIVEN NUMBER +91-9425068121 OR +91-9893929541

अप्रैल में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये :

- **चालू वित्त वर्ष 2024-25** के पहले महीने यानी अप्रैल में जीएसटी संग्रह अपने सारे रिकार्ड को तोड़ते हुए **दो लाख करोड़ रुपये** के पार पहुंच गये।
- **वर्ष, 2017** के **जुलाई महीने** से **जीएसटी प्रणाली लागू** है।
- **अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये** रहा जो पिछले साल अप्रैल के मुकाबले 12.4 प्रतिशत अधिक है।

- इस साल अप्रैल से पहले **जीएसटी का सबसे अधिक संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये** पिछले साल अप्रैल में हुआ था।
- आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में जीएसटी के कुल संग्रह में **सीजीएसटी की हिस्सेदारी 43,846 करोड़, एसजीएसटी की 53,538 करोड़** तो **आइजीएसटी की 99,623 करोड़** की रही। सेस के मद में 13,260 करोड़ रुपए वसूले गए।

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

राज्यों की स्थिति :

- अप्रैल में जीएसटी संग्रह मामले में उत्तर प्रदेश ने तमिलनाडु को पीछे छोड़ दिया है। **अप्रैल में उप्र का जीएसटी संग्रह 19 प्रतिशत बढ़कर 12,290 करोड़** हो गया।
- **महाराष्ट्र, कर्नाटक** व **गुजरात** के बाद जीएसटी कलेक्शन में चौथा सबसे बड़ा योगदानदाता बन गया है।
- **तमिलनाडु का जीएसटी संग्रह छह प्रतिशत बढ़कर 12,210 करोड़** रहा और वह **पांचवें स्थान** पर खिसक गया।

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

- परंपरागत रूप से **तमिलनाडु का जीएसटी संग्रह उ.प्र. से अधिक** रहता है।
- **अप्रैल, 2023 में तमिलनाडु का जीएसटी कलेक्शन 11,559 करोड़** था जबकि **उ.प्र. का 10,320 करोड़।**
- **मार्च, 2024 में तमिलनाडु का कलेक्शन 11,017 करोड़** था जबकि **उ.प्र. का 9,087 करोड़** था।

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार- 2024 :

- हाल ही में **29 अप्रैल, 2024** को **छतीसगढ़ के पर्यावरणविद आलोक शुक्ला** को **35वें गोल्डमैन एन्वायरमेंट पुरस्कार (2024)** से सम्मानित किया गया।
- इन्हें यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ **में हसदेव अरण्य के जंगलों को बचाने** के प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है।

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App

35वें गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार (2024) के विजेता

क्षेत्र	विजेता	देश	वर्ग
एशिया	आलोक शुक्ला	भारत	वन
यूरोप	टेरेसा विसेंट	स्पेन	महासागर और तट
उत्तरी अमेरिका	एंड्रिया विडौरे	यूएसए	जलवायु एवं ऊर्जा
अफ्रीका	नॉनहले मबुथुमा और सिनेगुगु ज़ुकुलु	दक्षिण अफ्रीका	महासागर और तट
दक्षिण और मध्य अमेरिका	मार्सेल गोम्स	ब्राज़िल	खाद्य एवं कृषि
द्वीप और द्वीप राष्ट्र	मुरविाह मारुची जॉनसन	ऑस्ट्रेलिया	जलवायु एवं ऊर्जा

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

पुरस्कार के बारे में :

- यह पुरस्कार **गोल्डमैन एनवायर्नमेंटल फाउंडेशन** द्वारा प्रदान किया जाता है।
- पुरस्कार समारोह **संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के सैन फ्रांसिस्को** में **वॉर मेमोरियल ओपेरा** में आयोजित किया गया।
- वर्ष 2024 में पर्यावरण की रक्षा हेतु **"निरंतर और महत्वपूर्ण"** प्रयासों के लिए यह पुरस्कार 7 व्यक्तियों को प्रदान किया गया।

- इस पुरस्कार को **'ग्रीन नोबेल'** के नाम से भी जाना जाता है, यह पुरस्कार विश्व के **6 महाद्वीपीय क्षेत्रों- अफ्रीका, एशिया, यूरोप, द्वीप एवं द्वीपीय राष्ट्र, उत्तरी अमेरिका** तथा **दक्षिण एवं मध्य अमेरिका** के पर्यावरण नायकों को सम्मानित करता है।
- विजेताओं को पुरस्कार राशि के रूप में **200,000 अमेरिकी डॉलर** से सम्मानित किया जाता है।
- इस पुरस्कार की स्थापना **रिचर्ड और रोडा गोल्डमैन** द्वारा वर्ष 1989 में की गई थी।
- **पहला गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार समारोह अप्रैल 1990** में आयोजित किया गया था।

रुआंग ज्वालामुखी :

- **इंडोनेशिया** में स्थित **रुआंग ज्वालामुखी** में पिछले कुछ दिनों से लगातार विस्फोट हो रहा है। **पिछले दो हफ्तों में दूसरी बार इस ज्वालामुखी में बड़ा विस्फोट** हुआ है।
- ज्वालामुखी विज्ञान और भूवैज्ञानिक खतरा शमन केंद्र **(पीवीएमबीजी)** ने चेतावनी दी थी कि यदि ज्वालामुखीय पदार्थ समुद्र में गिरे तो संभावित सुनामी आ सकती है।

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

माउंट 'रुआंग' ज्वालामुखी :

- **'रुआंग'** इंडोनेशिया के **'सांगिहे' द्वीपसमूह** में स्थित सर्वाधिक दक्षिणी **'स्ट्रैटो वोल्केनो'** है।
- इसमें **प्रथम विस्फोट वर्ष 1808** में दर्ज किया गया था।
- **डॉ. एडॉल्फ मेयर** ने **वर्ष 1871** में इस ज्वालामुखी में एक बड़ा विस्फोट देखा था।
- उस समय **'रुआंग'** निर्जन था।

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

एंटारेस स्टार :

➔ हाल ही में, **बेंगलुरु में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए)** ने कैमरे से लैस **आठ इंच के टेलीस्कोप** का उपयोग करके **चमकीले लाल एंटारेस तारे** के सामने से गुजरते हुए चंद्रमा का फिल्मांकन किया।

एंटारेस स्टार :

- एंटारेस एक चमकीला लाल तारा है जो वृश्चिक तारामंडल में स्थित है और **पृथ्वी से लगभग 550 प्रकाश वर्ष दूर** है।
- यह वृश्चिक तारामंडल का सबसे चमकीला तारा है, जिसे भारतीय खगोल विज्ञान में अक्सर **"ज्येष्ठा"** या **अल्फा वृश्चिक** कहा जाता है।
- इसे **लाल महादानव तारे** के रूप में वर्गीकृत किया गया है जो **सूर्य के व्यास से कई सौ गुना अधिक** और **10,000 गुना अधिक चमकीला** है।

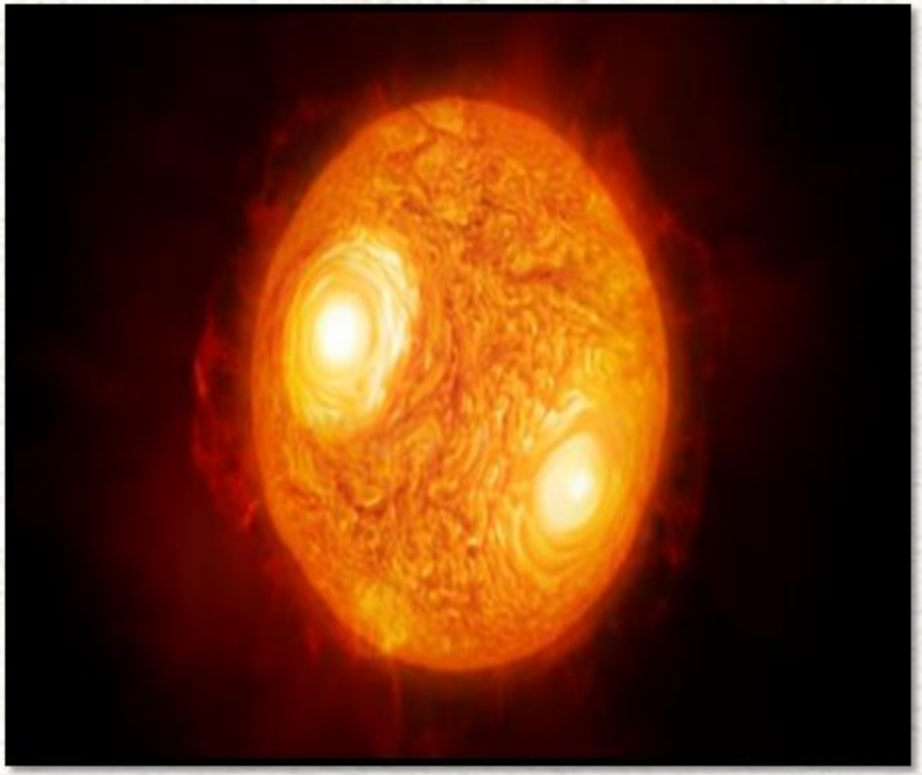

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

- यह रात के आकाश में एक प्रमुख स्थान रखता है, विशेष रूप से **दक्षिणी गोलार्ध में गर्मियों के महीनों** के दौरान दिखाई देता है।
- अपनी चमक और चंद्रमा के अपने पथ में कभी-कभार आने के कारण, **एंटारेस गुप्त घटनाओं** से गुजरता है, जहां यह चंद्रमा द्वारा कुछ समय के लिए छिपा रहता है, जिससे एक उल्लेखनीय खगोलीय घटना घटित होती है।

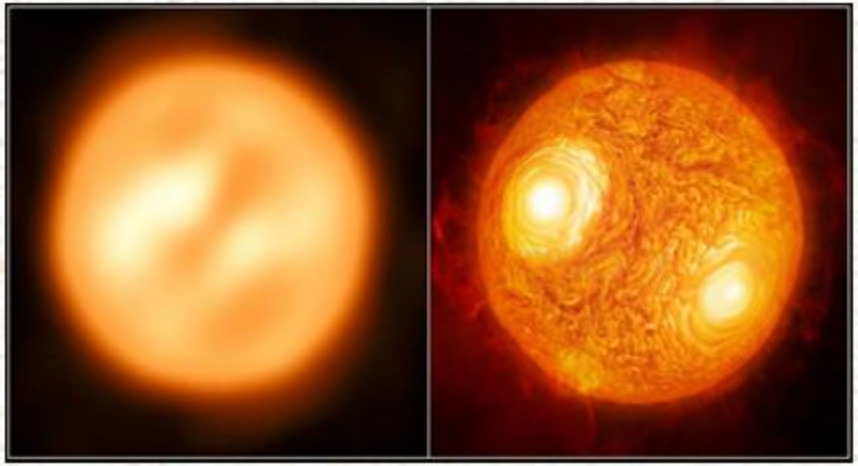

- **एंटारेस** उत्तरी गोलार्ध में गर्मियों की शाम में लाल चमक के साथ दिखाई देता है और दक्षिणी गोलार्ध में सर्दियों की शाम को लाल बत्ती के रूप में दिखाई देता है।

रक्षा तैयारी

टारपीडो के लिए सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली 'स्मार्ट' का परीक्षण

रक्षा मंत्रालय ने कहा- इस प्रणाली से नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं में होगा इजाफा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ को दी बधाई

जागरण संवाददाता, बालेश्वर

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित अब्दुल कलाम द्वीप से टारपीडो के लिए सुपरसोनिक स्मार्ट मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस प्रणाली से नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं में वृद्धि होगी। बुधवार को इसके स्थल वर्जन का परीक्षण किया गया है, जो जमीन से हवा में प्रहार करने में सक्षम है। मिसाइल को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस बताया गया है। मिसाइल को जमीन से हवा की ओर उड़ाया गया, मिसाइल अपने लक्ष्य को ध्वस्त करने में कामयाब रहा। स्वदेशी तकनीक से यह मिसाइल बनाई गई है। सुपरसोनिक स्मार्ट मिसाइल की सफलता को देखते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ टीम को बधाई दी है। डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने भी सफल परीक्षण के लिए पूरी टीम को बधाई दी है। यह मिसाइल दुश्मनों के किसी भी मिसाइल को बीच रास्ते में ही मार गिराने की ताकत रखता है।

- मिसाइल अपने लक्ष्य को ध्वस्त करने में रहा कामयाब
- जमीन से हवा में प्रहार करने में सक्षम है यह स्थल वर्जन

इस महीने और भी मिसाइलों के होंगे परीक्षण

देश में इस महीने के अंत तक आधा दर्जन से ज्यादा नई और पुरानी मिसाइल बैलिस्टिक और क्रूज सीरीज की मिसाइलों का परीक्षण किया जाने वाला है। कई पुरानी मिसाइल का आधुनिकीरण किया गया है तो कई ऐसी नई मिसाइल शामिल है जिनका पहला परीक्षण होगा। डीआरडीओ ऐसी मिसाइलों का परीक्षण करके मिसाइल क्षेत्र में विश्व में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है।

क्या है स्मार्ट मिसाइल

यह मिसाइल एक्सो वायुमंडलीय रक्षा इंटरसेप्टर है। इसका उपयोग थिएटर बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा के लिए किया जाता है। यह मिसाइल बैलिस्टिक मिसाइल को उनके उड़ान के माध्यम में रोकने के लिए हिट टू कील का उपयोग करता है। पहले इस मिसाइल को पानी जहाज में तैनात के लिए बनाया गया था। आज इसका परीक्षण जमीन से हवा के लिए किया गया है। यह मिसाइल दुश्मनों की किसी भी मिसाइल को बीच रास्ते में ही मार गिराने की क्षमता से युक्त है।

ओडिशा के चांदीपुर में बुधवार को डा. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सुपरसोनिक स्मार्ट मिसाइल का परीक्षण किया गया। एएनआइ

****

कोविशील्ड लेने वाले पूरी तरह सुरक्षित, डरने की जरूरत नहीं : डा. बलराम

नीतू रंजन • जागरण

- किसी भी वैक्सीन का तीन से चार हफ्तों तक रहता है साइड इफेक्ट का खतरा
- यूरोप के मुकाबले एशियाई देशों में टीटीएस दसवें हिस्से के बराबर

डा बलराम भार्गव। फाइल

नई दिल्ली : कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी लंदन की एस्ट्राजेनेका के बयान के बाद भारत में भी विवादों का पिटारा खुल गया है और इंटरनेट मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई है कि कोविशील्ड वैक्सीन लेने वाले खतरे की जद में हैं। जबकि विज्ञानियों का मानना है कि कोविड की वैक्सीन कोविशील्ड लेने वाले पूरी तरह से सुरक्षित हैं और उन्हें डरने की जरूरत नहीं है।

आइसीएमआर के पूर्व महानिदेशक डा. बलराम भार्गव ने कोविशील्ड वैक्सीन लेने वालों को आश्वस्त करते हुए कहा, इसका साइड इफेक्ट वैक्सीन लेने के अधिकतम तीन से चार हफ्तों तक ही हो सकता है, वो भी दुर्लभ मामलों में। जबकि भारत में वैक्सीन दे-ढाई वर्ष पहले लग चुकी है। ध्यान देने की बात है कि कोविशील्ड वैक्सीन विकसित करने वाली एस्ट्राजेनेका ने लंदन की अदालत के सामने स्वीकार किया है कि इसके लगाने वालों को दुर्लभ मामलों में खून का थक्का जमने का खतरा (थ्रोम्बोसिस थ्रोम्बोसाइटोपेनिय सिंड्रोम- टीटीएस) का खतरा हो सकता है। कोविड के बाद ऐसे कुछ मामले आए थे जिसमें युवाओं की भी दिल की धड़कनें रुक रही थीं। इसे कोविड से जोड़ा जा रहा था।

कोविड काल में आइसीएमआर के महानिदेशक के रूप में वैक्सीन के विकास और उसके दुष्प्रभावों की जांच की निगरानी से करीब से जुड़े रहे डा. बलराम भार्गव ने कहा कि भारत में कोविशील्ड की 180 करोड़ डोज लगाई गई हैं, लेकिन लगभग नगण्य मामलों में ही इसके साइड इफेक्ट देखे गए और वे भी सामान्य उपचार से ठीक हो गए।

भारत में टीकाकरण की निगरानी की सर्वोच्च संस्था नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप आन इम्युनाइजेशन (एनटागी) से जुड़े एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि टीटीएस एक दुर्लभ बीमारी है। लेकिन भारत समेत दक्षिण एशिया के लोगों में यह और भी कम पाई जाती है। उनके अनुसार, यूरोप के लोगों की तुलना में एशिया के लोगों में यह बीमारी होने का खतरा दसवां हिस्सा होता है।

एस्ट्राजेनेका ने लंदन की अदालत में यूरोपीय लोगों में कोविशील्ड लगाने के बाद दुर्लभ मामलों में टीटीएस के खतरे की बात स्वीकारी है, जो भारत की परिस्थितियों में लागू नहीं होती। कोविड टीका लगने के बाद निगरानी के दौरान भी इस तथ्य की पुष्टि हो चुकी है। वैक्सीन लगाने के बाद कितने समय तक कोविड से सुरक्षा रहती है, इस बारे आइसीएमआर के वरिष्ठ विज्ञानी ने कहा कि पूरा देश अब कोविड से सुरक्षित है और इसके लिए नई वैक्सीन लगाने की जरूरत नहीं है।

कोविशील्ड वैक्सीन से नुकसान नहीं, फायदा हुआ : डा. मधु गुप्ता

अंकेश ठाकुर, जागरण, चंडीगढ़ : चंडीगढ़ पीजीआइ में कोविड वैक्सीनेशन कमेटी की चेयरपर्सन रहीं प्रो. मधु गुप्ता ने कोविशील्ड को लेकर उठे विवादों को भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि हर वैक्सीन के साइड इफेक्ट होते हैं, लेकिन एक तय समय तक वह सामने आ जाते हैं। कोविशील्ड का अगर कोई साइड इफेक्ट होता तो वह वैक्सीन लगाने के 21 दिन या एक महीने के भीतर हो सकता था। दो साल पहले लगे इस वैक्सीन से नुकसान नहीं, बल्कि फायदा हुआ। पीजीआइ के डिपार्टमेंट आफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ विभाग की प्रोफेसर मधु गुप्ता ने कहा कि कोरोना की वजह से देशभर में लाकडाउन और कर्फ्यू लगना पड़ा था। अगर टीकाकरण नहीं किया जाता तो हालात बिगड़ सकते थे और मौत का आंकड़ा काफी ज्यादा होता।

प्रो. मधु गुप्ता। जागरण

दुष्प्रभावों की चिंताओं के बीच एस्ट्राजेनेका ने कोविड वैक्सीन को बताया सुरक्षित

कैंब्रिज, एएनआइ : एस्ट्राजेनेका-आक्सफोर्ड की कोविड-19 वैक्सीन के संभावित दुष्प्रभावों (साइड इफेक्ट्स) की हालिया चिंताओं के बीच इस दवा कंपनी ने मरीजों की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है और वैक्सीन के समग्र रूप से सुरक्षित होने पर जोर दिया है। एस्ट्राजेनेका के प्रवक्ता ने कहा, 'अपने किसी प्रियजन को खोने वाले या स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित होने वाले किसी भी व्यक्ति से हमें सहानुभूति है। मरीजों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और वैक्सीन समेत सभी दवाओं का सुरक्षित इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए नियामक प्राधिकारियों के स्पष्ट एवं सख्त मानक हैं।' यह बयान एस्ट्राजेनेका की उस हालिया स्वीकारोक्ति के बाद आया है जिसमें कंपनी ने कहा है कि उसके द्वारा विकसित कोविशील्ड और वैक्सजेवरिया कोविड वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रोम्बोसिस थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) हो सकता है। यह ऐसी स्थिति होती है जिसमें प्लेटलेट्स की संख्या असामान्य रूप से कम हो जाती है और खून में थक्के (क्लाट्स) जम जाते हैं। इसके बावजूद कंपनी का मानना है कि व्यापक क्लीनिकल ट्रायल के आंकड़े और विश्वभर के वास्तविक साक्ष्य लगातार वैक्सीन की सुरक्षा एवं प्रभावशीलता को पुष्ट करते हैं।

कोविशील्ड के साइड इफेक्ट का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो : कोविड से बचाव के लिए ली गई वैक्सीन कोविशील्ड के साइड इफेक्ट का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। कुबवार को सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दाखिल हुई है जिसे सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने दाखिल किया है। इसमें मांग की गई है कि शीर्ष अदालत एम्स के निदेशक की अध्यक्षता में चिकित्सा विशेषज्ञों का एक पैनल गठित करने का निर्देश दे।

MCQ
QUESTIONS

Q हाल ही में किस देश में रुआंग ज्वालामुखी फटा है ?

A इंडोनेशिया

B जापान

C मलेशिया

D दक्षिण कोरिया

A

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

Q हाल ही में किस देश ने लम्बे समय से चले आ रहे मुद्रा संकट के बीच नई मुद्रा लांच की है ?

A भारत

B श्रीलंका

C म्यांमार

D जिम्बाब्वे

D

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

Q भारतीय नौसेना ने किस राज्य में सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो (SMART) मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया है ?

A आंध्र प्रदेश

B उड़ीसा

C तमिलनाडु

D पश्चिम बंगाल

B

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

Q भारत में फ्लोटिंग सोलर टेक्नोलॉजी के लिए NHPC और किसके बीच समझौता हुआ है?

A ओशन सन

B पेट्रोब्रास

C मोडेक

D एक्सॉनमोबिल

A

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

Q ईशान पहल हाल ही में किसके द्वारा शुरू की गई है?

A भारतीय रिजर्व बैंक

B हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड

C भारतीय जीवन बीमा निगम

D भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

D

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play

Q उत्तर प्रदेश के अमेठी में फुर्सतगंज रेलवे स्टेशन का नया नाम क्या हो गया है?

A गुरु गोरखनाथ धाम

B स्वामी परमहंस

C तपेश्वरनाथ धाम

D जायस सिटी

C

Q BWF विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 का आयोजन कहां किया जाएगा?

A गुवाहाटी

B लखनऊ

C नई दिल्ली

D मुंबई

A

हाल ही में भारतीय नौसेना के उप प्रमुख कौन बने है?

A कृष्णा स्वामीनाथन

B दिनेश कुमार त्रिपाठी

C नलिन नेगी

D सचिन शर्मा

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App

Thank you!

For Notes and Video Lecture Download
Kautilya Academy App Google Play